Celebration of Indian Constitution Day

at Himalayan Forest Research Institute, Shimla on 26th November, 2021

Himalayan Forest Research Institute, Shimla celebrated "**Indian Constitution Day**" on 26th November, 2021in the Conference Hall of the Institute. On this occasion, about 100 participants including Director, Scientists, Forest and Technical Officers, Ministerial and project staff took part in the programme. At the outset, Dr. Jagdish Singh, Scientist-F and Head Extension Division welcomed Director, HFRI, Shimla and Keynote Speaker, Dr. Joginder Saklani, Assistant Professor, HPU, Shimla. He briefed about the background of the Constitution Day. Dr. S.S. Samant, Director, HFRI welcomed and thanked Dr. Joginder Saklani for accepting invitation to deliver talk on the **"Indian Constitution".** Thereafter, at sharp 11.0 am, **The Preamble of the Indian Constitution was read.** After chanting of **National Anthem** by all the participants, Dr. Saklani gave a detailed presentation on **"Indian Constitution: A Glorious Journey".** After the presentation, participant freely interacted with Dr. Saklani and all the queries regarding Indian constitution were addressed with Expert opinion.

Director, HFRI, Shimla again thanked Dr. Sakalni for his elaborative and very informative talk on Indian Constitution and hoped that in future too he will keep on vising the Institute on such occasions. The programme ended with vote of thanks by Dr. Jagdish Singh.

Reading of the Preamble of the Indian Constitution

Address by Director HFRI, Shimla

Dr Jagdish Singh, HOD Extension Division briefing about the programme

felicitation of keynote speaker

Lecture by Dr. Joginder Saklani, Asstt Prof. Political Science, HPU, Shimla

Talk by Shri Rajender Pal Bhatia

Audiance

Media Coverage

संविधान मात्र दस्तावेज नहीं, जीवन का पहिया है : सुरेश

राज्य ब्यूरो, शिमला : संविधान दिवस भारतीय संविधान निर्माता भीमराव अंबेडकर के समक्ष सम्मान प्रकट करने का अवसर है। संविधान मात्र वकीलों का एक दस्तावेज नहीं है, यह जीवन का पहिया है और इसकी आत्मा हमेशा से युग की आत्मा है। ये बात शहरी विकास और विधि मंत्री सुरेश भारद्वाज ने संविधान दिवस के अवसर पर कही। उन्होंने डा. भीमराव के विचारों को साझा किया कि यह दिन संविधान में निहित अधिकारों और कर्तव्यों पर हमारे विश्वास को पुनः पुष्टि करने का दिन है। संविधान के माध्यम से हम ऐसे राष्ट्र का निर्माण कर सकते हैं, जिसकी कल्पना हमारे पूर्वजों ने की थी।

हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में संविधान दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक डा. एसएस सामंत, निदेशक ने मुख्य वक्ता डा. जोगिन्द्र सिंह सकलानी का स्वागत किया। डा. सकलानी ने भारतीय संविधान : एक सफर पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

दैनिक भास्कर

हिमाचल 27-11-2021

एचएफआरआई में मनाया संविधान दिवस

शिमला| हिमालयन वन अनुसंधान संस्थान शिमला में शुक्रवार को संस्थान के सभागार मे संविधान दिवस का आयोजन किया गया जिसमे संस्थान के समस्त वैज्ञानिक, अधिकारी, कर्मचारी एवं शोधार्थी शामिल रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि निदेशक डॉ. शेर सिंह सामंत ने सहायक प्रोफेसर, एचपीयू मुख्य वक्ता डॉ. जोगिंदर सिंह सकलानी का संस्थान मे हिमाचली परम्परा के अनुसार स्वागत किया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. सकलानी ने भारतीय संविधान :एक यशस्वी सफर पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया। उन्होंने बताया की वर्ष 2021 मे संविधान निर्माता डॉ. भीम राव अंबेडकर की 131वीं वर्षगांठ मनाई गई।